unicef

COMICS UNITING NATIONS™

WORLD'S LARGEST LESSON

परिवर्तन के महावीर

टिकाऊ विकास
के लिए वैश्विक लक्ष्य

READING with PICTURES

pci media impact
tell a story, change the world.

आभार:

चित्रकथा जो देशों को एक करें: परिवर्तन के महावीर

कहानी - Josh Elder, Natabara Rollosson और Sean Southey

कला - Grace Allison और Karl Kesel

अभिलेख - Type One International - Amy Tookey

सम्पादकीय - Josh Elder

परिकल्पना - Ed Roeder

अनुवाद प्रबंधक Translation By Design

हिन्दी अनुवाद: मोनिका अध्ये

चित्रकथा जो देशों को एक करें: परिवर्तन के महावीर © 2015 के सर्वाधिकारी हैं Project Everyone, PCI Media Impact और Reading With Pictures.

यह वस्तु आरोपण-गैरवाणिज्यिक-अपरिवर्तनीयता ४.0
अंतर्राष्ट्रीय रचनात्मक जन अनुज्ञा
के तहत मुफ्त बांटी जा सकती है।.
अधिक जानकारी के लिए:
https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0

इस चित्रकथा को कैसे पढ़ें

अनुशीर्षकों में बहुत तर कथन होता है, पर कभी कभी संवाद या कोई अन्य जानकारी शामिल हो सकती है।

हर **पैनल** में है क्रिया का एक भाग। पैनल किसी भी आकार या नाप के हो सकते हैं। पैनलों को बाएं से दाईं ओर और ऊपर से नीचे पढ़ें।

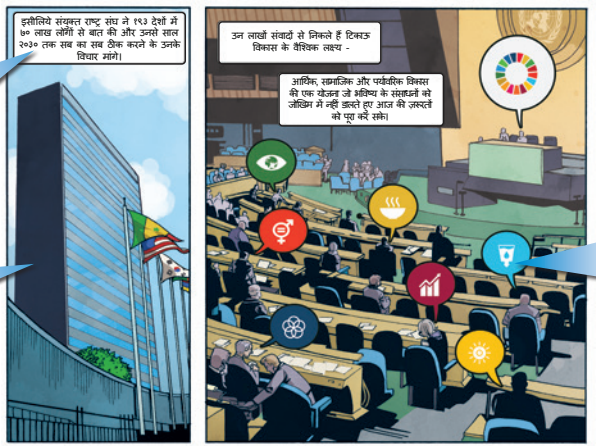

हाशिया माने पैनेलों के बीच के अंतर। यहाँ पाठक को दो पैनेलों के बीच की क्रिया का अनुमान करना है।

शब्द गुब्बारों में पात्रों के संवाद होते हैं। गुब्बारे की पूँछ बोलने वाले की तरफ टीपती है। कभी कभी विभिन्न रंग, आकार या अक्षरों द्वारा पात्र का चरित्र दिखाया जाता है।

धीरज रखें! कथा और चित्र दोनों पढ़ लें।
दो पैनलों के बीच क्या हो रहा है इसका अनुमान लगायें।

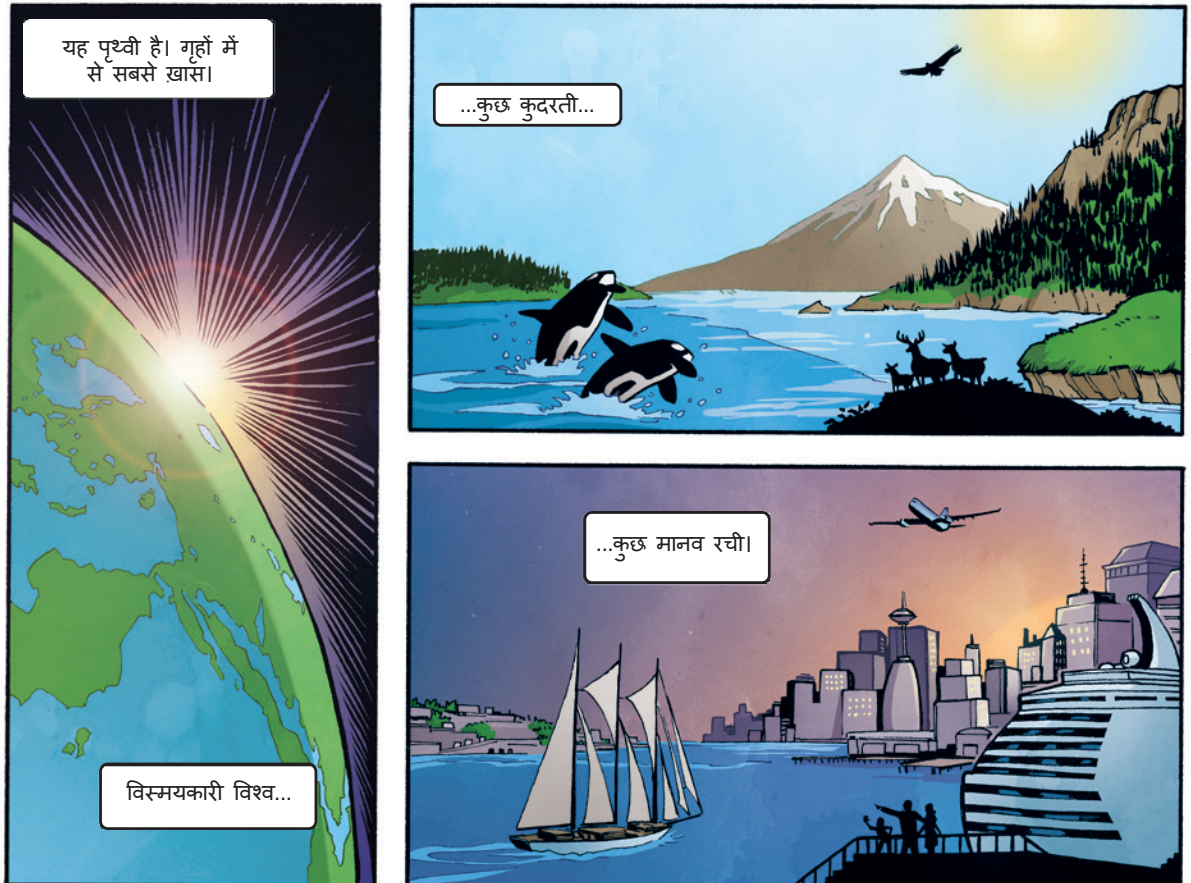
यह पृथ्वी है। गृहों में से सबसे ख़ास।
विस्मयकारी विश्व...
...कुछ कुदरती...
...कुछ मानव रची।

पृथ्वी में रहने वाले अरब पृथ्वी वासियों से विस्मयकारिक कुछ भी नहीं है।
क्योंकि हम सब में कुछ खास है:
एक बहतर दुनिया की कल्पना करने और इसे सच करने के लिए कार्य योजना बनाने की क्षमता।
और क्या यह एक तरह की महाशक्ति नहीं है?
अगर हम दूसरों की मदद के लिए इस शक्ति का प्रयोग करें, तो क्या हम सब...
महावीर नहीं बन जाते?

अच्छी बात ही है क्योंकि पृथ्वी को वीरों की सख्त ज़रुरत है, जो उसके पर्यावरण की रक्षा करें, और लोगों को नाइंसाफी, गरीबी और असामान्यता से बचा कर, सबके मानवाधिकारों की रक्षा करें.
पर कोई नहीं -
महावीर भी नहीं -
इतना मज़बूत नहीं हो सकता जो दुनिया का बोज अकेले उठा सके।
लेकिन, सब मिल जाएँ तो कुछ अलग ही बात है।
एकजुट होकर हम हर समस्या का हल निकाल सकते हैं और हर चुनौती पर विजय पा सकते हैं।
हमें बस एक योजना की ज़रुरत है।

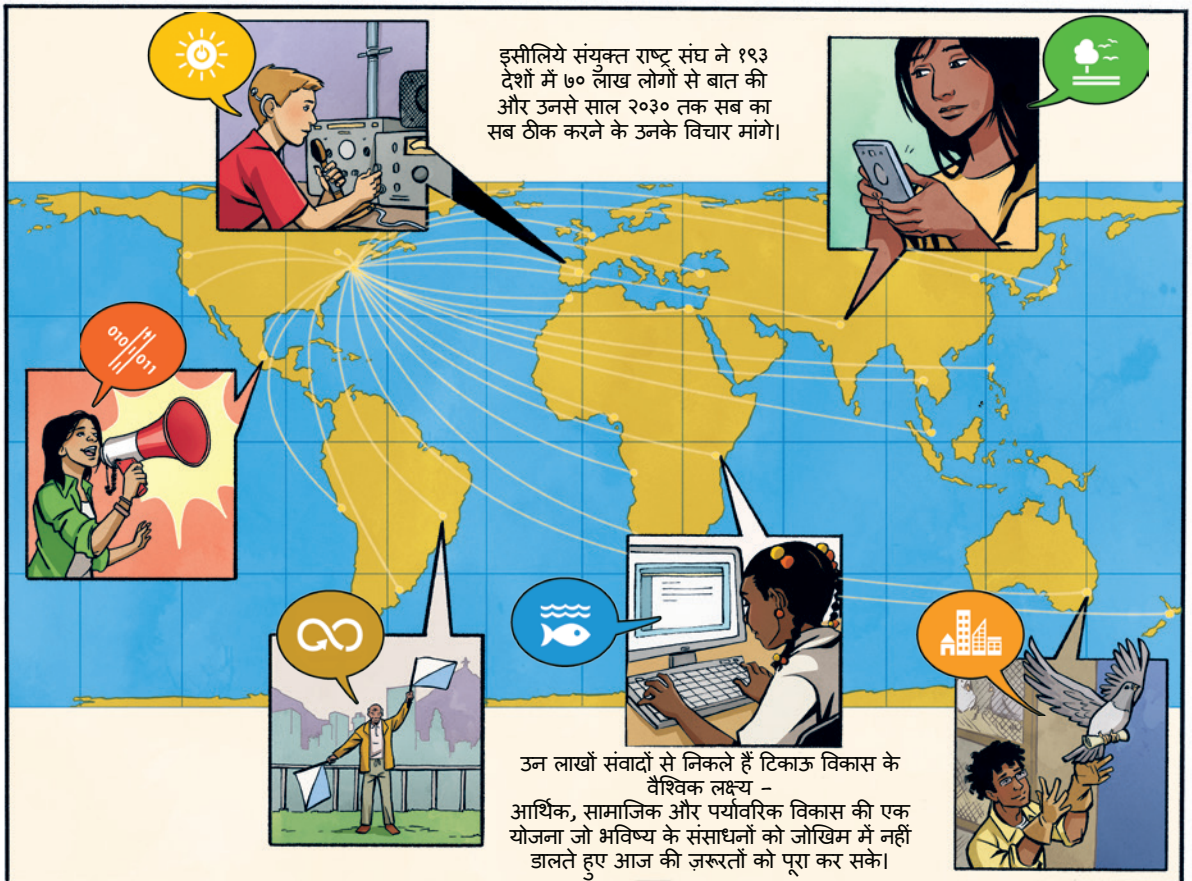
इसीलिये संयुक्त राष्ट्र संघ ने १९३ देशों में ७० लाख लोगों से बात की और उनसे साल २०३० तक सब का सब ठीक करने के उनके विचार मांगे।
010101011
उन लाखों संवादों से निकले हैं टिकाऊ विकास के वैश्विक लक्ष्य –
आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरिक विकास की एक योजना जो भविष्य के संसाधनों को जोखिम में नहीं डालते हुए आज की ज़रूरतों को पूरा कर सके।

इन १७ वैश्विक लक्ष्यों को लोगों और विश्व के लिए एक सर्वश्रेष्ठ सूचिपत्र के नज़रिए से देखें – एकजुट होकर काम करने का एक तरीका ताकि हम इस दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं को सुलझा सकें।

न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय

आसान नहीं है, पर **नामुमकिन भी नहीं**। अगर लक्ष्यसाधन कामयाब रहा तो यह विश्व हम सब के लिए एक और भी निष्पक्ष, और भी संपन्न और और भी सुरक्षित जगह बन जायेगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा जहां राष्ट्रीय प्रतिनिधि निर्णय लेने के लिए एकत्रित होते हैं

टिकाऊ विकास
के लिए वैश्विक लक्ष्य

लक्ष्य बनाना बस एक शुरुआत है। लक्ष्यों को सच्चाई में बदलने के लिए सबको कार्य योजना बनानी होगी।

और सब का अर्थ आप भी।

तो आप किसलिए रुके हुए हैं? पन्ना घुमाकर देखें की आप क्या कर सकते हैं!

१. लक्ष्यों के बारे में सीखें

लक्ष्यों को समझें और यह सीखें कि यह आपके अपने जीवन में क्यों अहम हैं?

२. सबको बताएं

लक्ष्यों को कामयाब बनाने का एक ही तरीका है - उन्हें मशहूर बनाना। तो सबको अपने रचनात्मक तरीकों से वैश्विक लक्ष्यों के बारे में बताएं और उन्हें भी वहीं करने में प्रोत्साहित करें!

#globalgoals दुनिया बदल सकते हैं, पर हमें एक साथ काम करना होगा! #telleveryone

3. कुछ करें
जो संगठन हैं जिनके मामले आपके लिए महत्त्वपूर्ण हैं, उनसे जुड़ जाएँ। अपनी सरकार के साथ मिलकर काम करें और अपने ही समाज में परिवर्तन के महावीर बन जाएँ!
THE GLOBAL GOALS
For Sustainable Development

क्योंकि बात तो यह है: हम सबमें एक ख़ास बात है, एक अनोखी क्षमता जो दुनिया - और इसमें अपना जीवन - बदलकर बहतर बनाने में मदद कर सकती है।
तो अपनी आत्मशक्ति ढूंढें और दुनिया में बाँटें!
एक साथ हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं!

परिवर्तन के महावीर

दुनिया का सबसे बड़ा पाठ एक सहयोगपूर्ण शिक्षा योजना है जो संयुक्त राष्ट्र संघ के टिकाऊ विकास के वैश्विक लक्ष्यों से जुड़ी हुई है। यह योजना इस बात का सबूत है कि १७वा लक्ष्य "लक्ष्यों के लिए भागीदारियां" कितना अहम है और हमारे सारे भागीदारों के सहयोग के बिना असंभव था।

हमारी संस्थापक टीम का धन्यवाद:

unicef

AVIVA gettyimages PEARSON Standard Chartered Unilever

यंत्रचालन: tes

विस्तार: UNESCO

अनुवाद: Berlitz ELS Educational Services

दुनिया भर में हमारे सहकारियों को हमारा बहुत बहुत धन्यवाद:

Think Global www.think-global.org.uk के सहयोग से बने पाठ। निष्पक्ष और टिकाऊ विश्व के लिए शिक्षण प्रचार।